Literacy for a Billion

Movie: Dil Hai Ki Maanta Nahin
Year: 1991

दिल है कि मानता नहीं
दिल है कि मानता नहीं
मुश्किल बड़ी है
रस्मे मोहब्बत
ये जानता ही नहीं

ओ ...
दिल है कि मानता नहीं
दिल है कि मानता नहीं
ये बेक़रारी क्यों हो रही है
ये जानता ही नहीं

ओ ...
दिल है कि मानता नहीं
दिल है कि मानता नहीं

दिल तो ये चाहे
हर पल तुम्हें हम
बस यूँ ही देखा करें
मरके भी हम ना
तुमसे जुदा हों
आओ कुछ ऐसा करें
मुझमें समा जा
आ पास आ जा

Song: Dil Hai Ki Maanta Nahin
Lyricist: Faiz Anwar

हमदम मेरे हमनशीं
दिल है कि मानता नहीं
दिल है कि मानता नहीं

हम तो मोहब्बत
करते हैं तुमसे
हमको है
बस इतनी ख़बर
तनहा हमारा
मुश्किल था जीना
तुम जो ना मिलते अगर
बेताब साँसें
बेचैन आँखें
कहने लगीं बस यही

दिल है कि मानता नहीं
दिल है कि मानता नहीं

ये बेक़रारी क्यों हो रही है
ये जानता ही नहीं

ओ ...
दिल है कि मानता नहीं
दिल है कि मानता नहीं

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.